an>

Title: The Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs made a statement regarding Government Business during the week commencing the 2nd May, 2016 and submissions made by the Members.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT AND ENTREPRENEURSHIP AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI RAJIV PRATAP RUDY): Madam Speaker, with your permission, I rise to announce that Government Business during the week commencing Monday, the 2nd of May, 2016 with consist of:-

1. Consideration of any items of Government Business carried over from today's order paper.

2. Discussion and voting on Demands for Grants (General) for 2016-17 under the control of the Ministry of Civil Aviation and Tourism;

3. Discussion and voting on Demands for Grants (General) for 2016-17 under the control of the Ministry of Housing and Poverty Alleviation;

4. Guillotine of outstanding Demands (General) for Grants (General) for 2016-17 at 6.00 p.m.;

5. Introduction, consideration and passing of the Appropriation (No. 2) Bill, 2016.

6. Consideration and passing of the Finance Bill, 2016;

7. Consideration and passing of Compensatory Afforestation Fund Bill, 2015; and

8. Consideration and agreeing to the amendments made by Rajya Sabha to the following Bill, as passed by Lok Sabha:-

(i) the Appropriation Acts (Repeal) Bill, 2015; and

(ii) the Repealing and Amending (Third) Bill, 2015.

श्री विद्युत वरन महतो (जमशेदपुर): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं अनुरोध करता हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र के लोक महत्व के निम्नलिखित विÂषयों को अगले सप्ताह की कार्यसूची में शामिल किया जाए :-

1) जमशेदपुर में मुसाबनी पूखंड अंतर्गत रखा, चापड़ी, केन्दाड़ीह माइंस हैं। ये तीनों माइंस वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से अनापति प्रमाण पत्र नहीं मिलने के कारण चालू नहीं हो पा रही हैं। यह क्षेत्र आदिवासी, अतिपछड़ा, जनजातीय बहुल एवं उग्रवाद प्रभावित है। यहाँ के लोग सुखाड़, बेरोज़गारी, गरीबी के कारण पलायन को मजबूर हैं। इसी तरह ऐसी कई और माइंस हैं जैसे किसनगढ़िया, पाथरगोड, चंद्रपुर इत्यादि, जिसके तांबे की नीलामी नहीं होने के कारण बंद है। ये सभी माइंस के चालू होने से वहाँ के लोगों को रोज़गार मिलेगा तथा साथ ही साथ राज्य सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी।

2) चांडिल-पटमदा वाया बन्दोवान से झाड़ग्राम (पश्चिम बंगाल) तक नई रेल लाइन के सर्वे का काम अविलंब पूरा किया जाए। झारखंड राज्य के पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाकुलिया पूखंड के बुढ़मारा से बहरागोड़ा होते हुए बानगिपोसी (ओडिशा) तक नई रेल लाईन का निर्माण किया जाए एवं कांडा नामकुम रेलवे लाईन का काम अविलम्ब शुरू किया जाए। बडागोविन्दपुर से छोटा गोविन्दपुर के बीच तथा आसनबनी स्टेशन के केबिन के पास एक आर.ओ.बी. रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण अविलम्ब किया जाए तथा जुगसलाई ओवरब्रिज का काम अविलम्ब पूरा किया जाए।

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल): माननीय अध्यक्ष महोदया, अगले हफ्ते की कार्यसूची में निम्नलिखित विषयों को शामिल किया जाए :

1) मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत प्राचीन ऐतिहासिक कार्ला और भाजा गुफा तथा लोहगढ़, तिकोना, राजमांची और बिसापुर किलों के रखरखाव हेतु पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय से विशेÂष आर्थिक पैकेज, और

2) प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों का काम होता है। लेकिन महाराष्ट्र में समय पर ठेकेदारों को पैसा नहीं मिलने के कारण यह काम बीच में ही बंद किया गया और आज इन सड़कों की हालत खराब है। इसके लिए प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अधूरे पड़े काम को पूरा करने के लिए पुनः धनराशि उपलब्ध करने संबंधी विÂष्य को शामिल किया जाए।

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : माननीय अध्यक्ष महोदया, कृपया निम्नलिखित विÂषय को अगले सप्ताह की कार्य-सूची में शामिल किया जाए।

1) देश के करीब 80 प्रतिशत लोग विटामिन डी एवं बी-12 की कमी के कारण होने वाले विभिन्न रोगों जैसे किडनी, दिल, डायबिटीज़, एनीमिया एवं अन्य गंभीर बीमरियों से ग्रसित हैं जो कि बहुत ही घातक है। अतः इस बीमारी के बारे में आम लोगों को जागरूक करने, जाँच एवं इलाज हेतु सख्त नियम बनाए जाएँ।

2) भारत सरकार देश के प्रत्येक जिला मुख्यालय में अच्छी एवं सस्ती शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना करती है, लेकिन मेरे संसदीय क्षेत्र सुपौल में अभी तक केन्द्रीय विद्यालय नहीं खोला गया है। अतः सुपौल में अविलम्ब केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना की जाए।

श्री छेदी पासवान (सासाराम) : माननीय अध्यक्ष महोदया, कृपया अगले सप्ताह की कार्यसूची में निम्नलिखित दो विÂषयों को सम्मिलित किया जाए।

1) रोहतासगढ़ किला भारतवÂर्ष में प्राचीन एवं विशाल पहाड़ी दुर्गों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। रोहतासगढ़ किला गया-मुगलसराय रेल खंड एवं शेरशाह सूरी पथ डेहरी ऑन-सोन से 45 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में विंध्य पर्वत पर स्थित है। रोहतास मुख्यालय से 55 किलोमीटर इसकी दूरी है। यह समुद्र तल से 1800 फीट की ऊँचाई पर कैमूर पहाड़ी पर स्थित है। लगभग 28 मील की परिधि में फैले इस किले में सरायमहल, रंगमहल, शीशमहल, पंचमहल, फूलमहल, आईनामहल, रानी का झरोखा, मान सिंह की कचहरी, सिंहासन कक्ष, हथिया पोल, विवाह-मंडप चौरासन, रोहिताश्व, गणेश मंदिर, फांसी घर आदि आज भी दर्शनार्थ विद्यमान हैं। इसमें लगभग 950 बड़े कमरे तथा 9000 छोटे कमरे हैं। इसकी बनावट पूर्णतः वैज्ञानिक ढंग से की गई है, जिससे सभी कमरों में सूर्य की किरणें सहजता से गमन कर सकें। संप्रति यह आदिवासियों का तीर्थ स्थल भी है जहाँ प्रत्येक वÂर्ष देश भर के आदिवासी समाज का बृहत् मेराल लगता है। अतः रोहतासगढ़ किला को रÂष्ट्रीय महत्व का पर्यटक स्थल घोषित कर विकसित किया जाए।

2) बिहार के कैमूर जिलांतर्गत सुअरा नदी में सुअरा दायां-बायां बांध के निर्माण हेतु प्रतिवेदन केन्द्रीय जल आयोग, भारत सरकार के पास लंबित है, इस बांध के निर्माण से हज़ारों एकड़ भूमि की सिंचाई होगी। अतः जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र केन्द्रीय जल आयोग से स्थिति की समीक्षा कर निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। इसके निर्माण से हज़ारों एकड़ भूमि की सिंचाई सुनिश्चित है।

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) : महोदया, अगले सप्ताह की कार्यवाही में निम्नलिखित विÂषय को शामिल करने का कÂट करें:

1. लोग अपने भिन्न-भिन्न पूसंगों में जो खाना बनाते हैं, उसमें से तीस प्रतिशत तक खाने की बर्बादी करते हैं। आज देश में नौ राज्य, 33 करोड़ जनता भुखमरी के कगार पर है, फिर भी इस तरफ किसी का ध्यान नहीं है। इसके प्रति केवल फ्रांस में ही कानून बना है। ऐसा कानून भारत में भी बनना चाहिए।

2. महान विभूतियों की प्रतिमाओं (राÂष्ट्रीय नेता, साहित्यकार, क्रान्तिकारी, वैज्ञानिक आदि) के उचित सम्मान और रख-रखाव के लिए नीति बनाई जाये। धन्यवाद।

श्री राजीव सातव (हिंगोली) : महोदया, मैं अगले सप्ताह की कार्य-सूची में निम्नलिखित दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा की मांग करता हूं:

1. पठानकोट हमले के पश्चात पाकिस्तानी जांच दल की जांच के बाद उत्पन्न स्थिति और पाकिस्तान के साथ विदेश नीति पर भारत सरकार की असफलता के प्रति चर्चा कराने की मांग के सम्बन्ध में।

2. बंजारा समाज के गुरु सन्त सेवालाल महाराज की जयन्ती दिनांक 15 फरवरी को राÂष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक अवकाश घोÂिषत किया जाये।

श्री ओम बिरला (कोटा) : महोदया, मैं निम्नलिखित विÂषयों को अगले सप्ताह की कार्य-सूची में सम्मिलित किए जाने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहता हूं:

1. देश के न्यायालयों में बड़ी संख्या में लम्बित मुकदमों को निपटाने के लिए आवश्यक कार्य- योजना बनाए जाने की आवश्यकता।

2. देश के विभिन्न धार्मिक आयोजनों एवं मेलों में भगदड़ एवं अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए विशेÂष सुरक्षा बल/कार्यबल गठित किए जाने की आवश्यकता।

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : महोदया, मैं आगामी सप्ताह की कार्य-सूची में निम्नलिखित विÂषयों को सम्मिलित करने का अनुरोध करता हूं:

1. माननीय प्रधानमंत्री जी की जन-धन योजना के तहत करीब 22 करोड़ से ज्यादा खाते खुले हैं एवं खातों में वरिÂष्ठ नागरिकों की पैंशन, नरेगा का भुगतान एवं अन्य डायरैक्ट बैनीफिट ट्रांसफर होंगे। बैंकों की शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में कम हैं। अतः लोगो की सुविधाओं हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा बैंक शाखाएं खोलने पर विचार करने हेतु निवेदन है।

2. नागौरी नस्ल की गायें दूध की बजाय अपने मजबूत बछड़ों के लिए जानी जाती हैं। यही बछड़े बैल बनकर खेती के कार्य एवं बोझा ढोने हेतु बैलगाड़ियों में काम आते हैं। इनके तीन वÂर्ष तक राजस्थान राज्य के बाहर ले जाने पर रोक होने से गायों पर किसान ध्यान नहीं दे रहे हैं एवं नागौरी नस्ल की गायों की ओर ध्यान नहीं देने से दिन-प्रतिदिन संख्या कम होती जा रही है, जो विचारणीय है। अतः उक्त महत्वपूर्ण बिन्दु पर विचार हेतु अनुरोध है।

श्रीमती ज्योति धुर्वे (बैतूल) : महोदया, मैं निम्न विÂषय पर लोक सभा में आपके माध्यम से ध्यान आकर्Âिषत करना चाहती हूं:

1. घटते हुए जंगलों को ध्यान में रखते हुए वन क्षेत्र में विस्तार हेतु वन समितियों में अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के समूह बनाकर वन क्षेत्र का विस्तार किया जाना चाहिए।

2. ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब व्यक्ति को, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के हैं, उनके परिवार में सभी के पास फूड कूपन नहीं हैं। इनके फूड कूपन बनाने हेतु एक अभियान जारी करना चाहिए, साथ ही इस हेतु एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : महोदया, कृपया निम्नलिखित विÂषय को अगले सप्ताह की कार्य सूची में शामिल कर लिया जाए।

दलित मुक्ति का मौलिक स्रोत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर का दर्शन रहा है। 29 अक्टूबर, 1942 को डॉ. अम्बेडकर ने भारत के गवर्नर जनरल को दलित अधिकार पर एक लंबा ज्ञापन सौंपा था और उसमें यह दर्शाया था कि किस तरह सी.पी.डब्ल्यू.डी. के कुल 1,171 ठेकेदारों में सिर्फ एक दलित ठेकेदार था। इस तरह की परम्परा आज भी कायम है। चाहे बेसिक शिक्षा हो, तकनीकी शिक्षा हो या मेडिकल शिक्षा, सभी जगहों पर आम दलित, वंचितों का हक मारा जा रहा है, जो कि संविधान की मूल धारण का अपमान है। अतः देशभर में सभी जगहों पर चाहे वह ठेकेदारी हो या ऐसे सभी क्षेत्रों में दलित वंचित या समाज के अन्य कमजोर तबकों को आर्थिक, शैक्षिणिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए आरक्षण की व्यवस्था एवं इस व्यवस्था को ईमानदारीपूर्वक लागू करने हेतु सख्त नियम बनाया जाए।

देश भर में निजी शिक्षण-संस्थानों द्वारा शिक्षा का लगातार किया जा रहा व्यवसायीकरण जिसमें आम गरीब मेधावी छात्रों से लगातार वसूले जा रहे डोनेशन, डेवलपमेंट एवं पुनः नामांकन के नाम पर वसूले जा रहे पैसे को तत्काल बंद करते हुए देश भर में सभी निजी शिक्षण-संस्थानों, कोचिंग-संस्थानों को बंद कर सरकारी शिक्षण-संस्थानों की स्थिति को मजबूत कर कोठारी आयोग एवं मुचकुंद दुबे समिति की सिफारिशें जो समान एवं अनिवार्य शिक्षा हेतु थीं, को अविलम्ब लागू करने हेतु सख्त नियम बनाया जाए।